रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

**PAGE NO.: 3 TOP LEFT**

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 2065 नए डाक्टरों की शीघ्र होगी तैनाती, दो माह में जारी कर दिया जाएगा टेलीमेडिसिन के लिए टेंडर

# पूरे प्रदेश में शुरू होगी टेलीमेडिसिन प्रणाली

**बरेली में स्वास्थ्य मंत्री**

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

प्रदेश में जल्द ही टेलीमेडिसिन प्रणाली शुरू की जाएगी। इसके लिए सूबे को 6 क्लस्टर में बांटा गया है और दो माह में इसका टेंडर भी जारी कर दिया जाएगा। इससे गांव-देहात तक चिकित्सकीय सुविधा देना आसान हो जाएगा। शनिवार को बरेली पहुंचे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने ये जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि देश के सरकारी अस्पतालों में करीब 6 लाख डॉक्टरों की कमी है। प्रदेश में अभी 2065 डॉक्टरों की भर्ती हुई है और जल्द ही अस्पतालों में इनको तैनात किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री शनिवार को एसआरएमएस में मोबाइल टेलीमेडिसिन बस और टेलीमेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर का उद्घाटन करने आए थे। स्वास्थ्य मंत्री ने सर्किट हाउस में मंडल के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सिंह ने साफ किया कि अगले एक साल तक कोई नई सीएचसी-पीएचसी नहीं खोली जाएगी।

अभी डॉक्टरों की कमी है और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अब जरूरी है कि टेक्नालॉजी की मदद ली जाए। गांव-गांव टेलीकम्युनिकेशन पहुंचने से मोबाइल के जरिये मरीज का रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। टेली पैथालाजी से उसकी जांच रिपोर्ट देखी जाएगी और जरूरत होने पर मरीज को सीएचसी-पीएचसी या जिला अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। टेलीमेडिसिन का लिंक बड़े अस्पतालों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि बरेली जिला अस्पताल में जल्द डायलिसिस शुरू हो जाएगा। मरीजों को सस्ती दवा देने के लिए जनऔषधि केंद्र खोले जाएंगे और डॉक्टरों को साल्ट का नाम लिखने को कहा जाएगा। लेकिन अभी जेनेरिक दवाएं हर जगह उपलब्ध होने के बाद ही इस दिशा में काम होगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की कमी को देखते हुए ही उनके रिटायरमेंट की उम्र 62 साल कर दी गई है जिससे करीब 1 हजार डॉक्टर मिल गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्राइवेट अस्पतालों और मेडिकल कालेजों के साथ मिलकर चिकित्सकीय सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। आयुष के डाक्टरों को भी सीएचसी पर तैनात किया जा रहा है।

एसआरएमएस में मोबाइल टेलीमेडिसिन बस का उद्घाटन करने आए प्रदेश के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने पार्टी नेताओं संग बैठक की।

### मोबाइल टेलीमेडिसिन बस को दिखाई हरी झंडी

बरेली। एसआरएमएस में शनिवार को मोबाइल टेलीमेडिसिन बस और टेलीमेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर का उद्घाटन हुआ। स्वास्थ्य मंत्री ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल, नगर विधायक डा. अरुण कुमार ने इसका उद्घाटन किया। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति, सचिव आदित्य मूर्ति एसएसपी जोगेंद्र कुमार, अंतरीक्ष आचार्य समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर दोनों मंत्रियों ने मैत्रयुत टेली मेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर पर बेहोशिया नामक मरीज से बात की।

### प्राइवेट कॉलेज-अस्पतालों का उपयोग करे स्वास्थ्य विभाग: वित्तमंत्री

बरेली। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को प्राइवेट अस्पताल और कॉलेजों का इस्तेमाल करना होगा। बरेली में कई बड़े कालेज और अस्पताल हैं, जहां पूरा सेटअप है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम है, तीन मेडिकल कालेज हैं, आयुर्वेदिक कालेज है, इनका सही उपयोग जरूरी है। इस विषय में स्वास्थ्य विभाग को सोचना होगा। पड़ोसी जिले बदायूं में मेडिकल कालेज अधूरा पड़ा है। लोगों को उसकी आवश्यकता है, थोड़ी फिक्र उसकी भी करनी होगी। अब इसके लिए बजट तो नहीं है लेकिन अधूरा पैसा पड़ा होना ठीक नहीं है।

## सीएमओ सीएमएस पर भड़के मंत्री, रिपोर्ट तलब

**जिला अस्पताल**

- भाजपा नेताओं ने जिला अस्पताल के डाक्टर-स्टाफ की शिकायतें की
- स्वास्थ्य मंत्री ने सीएमओ से पूछा, ये महेंद्र यादव कौन, बड़ी शिकायतें हैं

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

सर्किट हाउस में मंडलीय समीक्षा बैठक से पहले जिला अस्पताल के स्टाफ और भाजपा नेताओं के बीच हुई तकरार का मामला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह के सामने भी जमकर गूंजा। मामला समझने के बाद स्वास्थ्य मंत्री सीएमओ और सीएमएस पर बिफर पड़े। उन्होंने एडी हेल्थ से पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तलब की है। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट को जांच जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा महानगर अध्यक्ष उमेश कठेरिया 14 सितम्बर को पार्टी पदाधिकारियों के साथ जिला अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान बीजेपी नेताओं को महिला वार्ड में एक्सपायरी डेट के इंजेक्शन और सीरप मिले थे। मामले की शिकायत सीएमओ और सीएमएस से की गई थी। सीएमओ ऑफिस से लौटते वक्त अस्पताल के डाक्टर और स्टाफ भाजपा नेताओं के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसमें हाथापाई हो गई। अस्पताल स्टाफ ने महानगर उपाध्यक्ष देवेंद्र जोशी का गला पकड़कर उनकी पिटाई लगा दी थी। इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों ने कोतवाली में तहरीर दी थी। इसमें वार्ड की नर्स ने नेताओं पर अभद्रता का आरोप लगाया था। सीएमएस डॉ केएस गुप्ता ने एक्सपायरी इंजेक्शन मिलने का आरोप खारिज कर दिया था। इस मामले में डीएम के आदेश पर सिटी मजिस्ट्रेट मामले की जांच कर रहे हैं। भाजपा नेताओं की शिकायत सुनने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने सीएमओ और सीएमएस को क्लास लगाई। उन्होंने कहा कि डॉक्टर अपना आचरण सुधारें। डॉक्टर सेवा भाव के लिए आते हैं। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने पूछा कि ये महेंद्र यादव कौन है। इसकी सबसे ज्यादा शिकायतें हैं।

क्या मामला है। इसकी जांच कराइये। दोषी हो तो कार्रवाई करो। भाजपा नेता जवाहर ने प्राथमिक चिकित्सालय के एक डाक्टर की शिकायत की। सर्किट हाउस में विधायक डा. श्याम बिहारी लाल, दुर्विजय सिंह शाक्य, महानगर अध्यक्ष उमेश कठेरिया, निर्मेश श्रीवास्तव, मोहित कपूर, देवेंद्र जोशी, सचिन भाटिया, अंकुश अग्रवाल समेत कई भाजपा नेता थे।